

# शाम ए मौसीकी... अपना गम लेके कहीं और न जाया जाए



## मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी की ओर से शाम ए मौसीकी का आयोजन जनजातीय संग्रहालय में हुआ। इस मौके पर गजल गायक सुनील मुंगी और कव्वाल सलीम इनकार ने गजलें और कव्वालियां पेश कीं। कार्यक्रम में संचालक संस्कृति अदिति कुमार त्रिपाठी ने कलाकारों का स्वागत किया। इस मौके पर गजल गायक सुनील मुंगी ने निदा फाजली की गजल-अपना

गम लेके कहीं और न जाया जाए..., कतील शिफाई की गजल - मेरी नजर से न हो दूर..., हसरत मोहानी की नज्म - चुपके चुपके रात दिन आंसू बहना याद है..., बहादुर शाह जफर की गजल - बात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी... और इब्ने इंशा की गजल - कल चौदहवीं की रात थी शब भर रहा चर्चा तिरा... पेश किया। वहीं, ग्वालियर से आए कव्वाल सलीम इनकार ने सूफियाना कव्वालियां पेश कीं। इन्होंने मन कुंतो अली मौला..., बेखुद किए देते हैं अंदाज ए हिजाबाना... पेश किए।

प्रख्यात गजल  
गायक सुनील मुंगी  
एवं कव्वाल सलीम  
इनकार ने दी प्रस्तुति  
हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

# मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी में शाम ए मौसिकी



मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा शाम ए मौसिकी कार्यक्रम जनजातीय संग्रहालय, में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में संचालक संस्कृति अदिति कुमार त्रिपाठी ने कलाकारों का स्वागत अकादमी की पुष्पगुच्छ से किया। स्वागत पश्चात डॉ. नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। डॉ. नुसरत मेहदी के उद्बोधन के पश्चात अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गजल गायक सुनील मुंगी ने अपनी मधुर और सहर अंगेज आवाज में गजलों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर किया।

## मेरी नजर से न हो दूर..

इस मौके पर निदा फाजली की गजल अपना वाम लेके कहीं और न जाया जाए...., कतील शिफाई की गजल मेरी नजर से न हो दूर...., हसरत मोहानी की चुपके चुपके रात दिन आँसू बहाना याद है ..... ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। वहीं क्वालियर से पधारे ख्यातिलब्ध कव्वाल सलीम इनकार सूफियाना कव्वालियां पेश कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन समीना अली द्वारा किया गया।



Published in 12 Feb-2023 print edition of Raj Express

## कव्वाली की महफिल में खूब लूटी वाहवाही



**शाम ए मौसीकी कार्यक्रम में सुनील मुंगी की गजल प्रस्तुति ने बांधा समां**

निदा फाजली ने अपना गम लेके कहीं और न जाया जाए....., कतील शिफाई ने मेरी नजर से न हो दूर....., हसरत मोहानी ने चुपके चुपके रात दिन आँसू बहाना याद है, बहादुर शाह जफर ने बात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी, नासिर काजमी ने दिल में इक लहर सी उठी है अभी...., इब्ने इंशा ने गजल कल चौदहवीं की रात थी शब भर रहा चर्चा तेरा... की खास प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन समीना अली द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में उर्दू अकादमी की डॉ. नुसरत मेंहदी ने सभी सभी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

**भोपाल।** जनजातीय संग्रहालय में शनिवार को शाम ए मौसीकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गजल गायक सुनील मुंगी की शानदार प्रस्तुति से समां बांध गया वहीं मशहूर कव्वाल सलीम झनकार की कव्वालियों ने खूब वाहवाही लूटी। दोनों ही कलाकारों की आवाज का जादू ऐसा बिखरा कि लोग अपने आप

को झूमने से नहीं रोक पाए। सलीम कव्वाल ने बेहतरीन गजल मन कुंतो अली मौला, बेखुद किए देते हैं अंदाज ए हिजाबाना.....की दमदार दी।

मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित शाम ए मौसीकी संचालक संस्कृति अदिति कुमार त्रिपाठी ने कलाकारों का स्वागत अकादमी की पुष्पगुच्छ से किया।



Image

Text

## ‘चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है’ उर्दू अकादमी की ओर से शाम-ए-मौसिकी का आयोजन

रिपोर्टर • IamBhopal

Mobile no. 8989210501

जनजातीय संग्रहालय में शनिवार को उर्दू अकादमी द्वारा शाम-ए-मौसिकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गजल गायक सुनील मुंगी एवं कव्वाल सलीम झनकार ने गजलों और कव्वालियों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर संस्कृति संचालक अदिति कुमार त्रिपाठी एवं उर्दू



अकादमी की संचालक नुसरत मेहदी उपस्थित थीं। कार्यक्रम में गजल गायक सुनील मुंगी ‘निदा फाजली’ की गजल ‘अपना गम

लेके कहीं और न जाया जाए...’ को सुनाया। इसके बाद ‘कतील शिफाई’ की गजल ‘मेरी नजर से न हो दूर...’ को पढ़ा। हसरत मोहानी की गजल ‘चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है...’ सुनाया। इसी क्रम में ‘बात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी...’, ‘दिल में इक लहर सी उठी है अभी...’, ‘कल चौदहवीं की रात थी शब भर रहा चर्चा तिरा...’ गजल की प्रस्तुति दी।

# मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शाम ए मौसीकी में प्रख्यात ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी एवं ख्यातिलब्ध क़व्वाल सलीम इनकार ने प्रस्तुत की ग़ज़लें और क़व्वालियां

भोपाल 11 फरवरी (प्रेस नोट)। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा शाम ए मौसीकी कार्यक्रम दिनांक : 11 फरवरी 2023 को शाम 6:30 बजे से जनजातीय संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में संचालक संस्कृति अदिति कुमार त्रिपाठी ने कलाकारों का स्वागत अकादमी की पुष्पगुच्छ से किया। स्वागत पश्चात डॉ नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि हमारा देश विभिन्न संस्कृतियों में निहित विविधताओं के लिए जाना जाता है। यहां गीत-संगीत, नृत्य, नाटक-कला, लोक परंपराओं, कला प्रदर्शनों एवं लेखन के क्षेत्रों में एक बहुत अनंत संभावनाएं मौजूद हैं। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत है। इसका संरक्षण भी जरूरी है। संस्कृति विभाग मध्य प्रदेश शासन एवं उर्दू अकादमी का हमेशा यह प्रयास रहता है कि इस तरह के कार्यक्रमों को बढ़ावा दे। इसी सिलसिले के तहत आज शाम ए मौसीकी कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसमें प्रख्यात ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी एवं ख्यातिलब्ध क़व्वाल सलीम इनकार ग़ज़लों



और क़व्वालियों को प्रस्तुति दे रहे हैं। डॉ. नुसरत मेहदी के उद्घोषण के पश्चात अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी ने अपनी मधुर और सहर अंग्रेज़ आवाज़ में ग़ज़लों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को झुमने पर मजबूर किया। ज्ञात हो कि अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी महान संगीत गुरु पद्मश्री जितेन्द्र अभिषेकी के शिष्य हैं। आप 1990 से दुनिया के अलग-अलग देशों में लगातार प्रस्तुतियां दे रहे हैं, जिनमें यू. एस. ए., कनाडा, कैरेबियन, युनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड,

फ्रांस, स्विटजरलैंड, कोनिया, युनाइटेड अरब अमोरात, कुवैत, नेपाल, बांग्लादेश, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया आदि नाम शामिल हैं। सुनील मुंगी को ग़ज़ल गायन में महारत हासिल है। आप शायरी को समझ, मीठी आवाज़ और ग़ज़ल को खूबसूरत अदायगी के लिए मशहूर हैं। आपने संगीत को दुनिया को महान हस्तियों के साथ मंच साझा किया है, जिनमें उस्ताद बिस्मिल्ला ख़ाँ, पंडित जसरज, सोनल मानसिंह, उस्ताद गुलाम अली, अनूप जलौटा और अनुराधा पौडवाल जैसे नाम हैं। आप गायन के साथ-साथ संगीत की शिक्षा भी देते हैं। उन्होंने जो ग़ज़लें

प्रस्तुत कीं वो इस प्रकार हैं।  
निदा फ़ाज़ली  
अपना गुम लेके कहीं और न जाया जाए  
कतौल शिफाई  
मेरी नज़र से न हो दूर  
हसरत मोहानी  
चुपके चुपके रात दिन औसू बहाना याद है  
बहादुर शाह ज़ुफ़र  
चात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी  
नासिर काज़मी  
दिल में इक लहर सी उठी है अभी  
इब्ने इंशा

कल चौदहवीं की रात थी शब भर रहा चर्चा तिरा वहीं ग्वालियर से पधारे ख्यातिलब्ध क़व्वाल सलीम इनकार सुफियाना क़व्वालियां पेश कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। ज्ञात हो कि सलीम इनकार देश के मशहूर क़व्वालों में से एक हैं जो रिवायती क़व्वाली गाते हैं। आपका संबंध मध्यप्रदेश के ग्वालियर से है। आपने विश्व क़व्वाली समारोह में शिरकत की है जिसे ईरान एम्बेसी में दिल्ली में आयोजित किया था। सलीम इनकार देश के सभी बड़े शहरों में क़व्वाली की प्रस्तुति दे चुके हैं। जिसमें दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, बंगलुरु, नागपुर, हैदराबाद, इन्दौर, अजमेर, भोपाल जैसे नाम शामिल हैं। आप दूरदर्शन /आकाशवाणी पर 1990 से लगातार प्रस्तुतियां देते आ रहे हैं। उन्होंने ने जो कलाम पेश किया वो इस प्रकार है।  
मन कुंतो अली मौला  
बेखुद किए देते हैं अंदाज़ ए हिजाबाना  
कार्यक्रम का सफल संचालन समीना अली द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नुसरत मेहदी ने सभी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

दैनिक जागरण

www.djmp.in/epaper

12 फरवरी, 2023

# अपना गम लेकर कहीं और न जाया जाए घर में बिखरी हुई चीजों को सजाया जाए...

## उर्दू अकादमी द्वारा शाम-ए-मौसीकी में गजल गायक सुनील मुंगी एवं कव्वाल सलीम इनकार की प्रस्तुति

जागरण सिटी रिपोर्टर। जनजातीय संग्रहालय में शनिवार की शाम गजलों और कव्वालियों से गुलजार हुई। उर्दू अकादमी द्वारा शाम-ए-मौसीकी कार्यक्रम में प्रख्यात गजल गायक सुनील मुंगी एवं ख्यातिलब्ध कव्वाल सलीम इनकार ने एक से बढ़कर एक गजलें और कव्वालियों को सुनाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर संस्कृति संचालक अदिति कुमार त्रिपाठी एवं उर्दू अकादमी की संचालक नुसरत मेहदी विशेष रूप से उपस्थित थी।



### दिल में इक लहर सी उठी है अभी...

गजल गायक सुनील मुंगी ने कार्यक्रम की शुरुआत 'निदा फाजली' की गजल 'अपना गम लेके कहीं और न जाया जाए...' को सुनाकर किया। इसके बाद 'कृतील शिफाई' की गजल 'मेरी नजर से न हो दूर...' को पढ़कर समां बांध दिया। कार्यक्रम की गति को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने हसरत मोहानी की गजल 'चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है...' सुनाकर दर्शकों को

भावविभोर कर दिया। इसी क्रम में 'बात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी...', 'दिल में इक लहर सी उठी है अभी...', 'कल चौदहवीं की रात थी शब भर रहा चर्चा तिरा...' गजल की प्रस्तुति दी। इसके बाद बारी थी ग्वालियर से आए कव्वाल सलीम इनकार सूफियाना कव्वालियों की। उन्होंने मंच संभालकर कव्वालियों को पेश किया तो श्रोता झूमने पर मजबूर हो गए। उन्होंने 'मन कुंतो अली मौला...', 'बेखुद किए देते हैं अंदाज ए हिजाबाना...' कव्वाली सुनाई।

# कव्वाली की महफिल में खूब लूटी वाहवाही

शाम ए मौसीकी कार्यक्रम में सुनील मुंगी की गजल प्रस्तुति ने बांधा समां

निदा फाजली ने अपना गम लेके कहीं और न जाया जाए....., कतील शिफाई ने मेरी नजर से न हो दूर....., हसरत मोहानी ने चुपके चुपके रात दिन आँसू बहाना याद है, बहादुर शाह जफर ने बात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी, नासिर काजमी ने दिल में इक लहर सी उठी है अभी..., इब्ने इंशा ने गजल कल चौदहवीं की रात थी शब भर रहा चर्चा तेरा... की खास प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन समीना अली द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में उर्दू अकादमी की डॉ. नुसरत मेंहदी ने सभी सभी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।



भोपाल। जनजातीय संग्रहालय में शनिवार को शाम ए मौसीकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गजल गायक सुनील मुंगी की शानदार प्रस्तुति से समां बांध गया वहीं मशहूर कव्वाल सलीम इनकार की कव्वालियों ने खूब वाहवाही लूटी। दोनों ही कलाकारों की आवाज का जादू ऐसा बिखरा कि लोग अपने आप

को झूमने से नहीं रोक पाए। सलीम कव्वाल ने बेहतरीन गजल मन कुंतो अली मौला, बेखुद किए देते हैं अंदाज ए हिजाबाना.....की दमदार दी।

मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित शाम ए मौसीकी संचालक संस्कृति अदिति कुमार त्रिपाठी ने कलाकारों का स्वागत अकादमी की पुष्पगुच्छ से किया।

# MADHYA PRADESH

BHOPAL | SUNDAY | FEBRUARY 12, 2023 [www.freepressjournal.in](http://www.freepressjournal.in)

## GHAZAL, SUFIYANA QAWWALIS UNDER SHAM-E-MAUSIQI

**Works of Nida Fazli, Qateel Shifai, Bahadur Shah Zafar, Ibne Insha presented**

**OUR STAFF REPORTER**  
city.bhopal@fpj.co.in

Ghazal singer Sunil Mungi presented works of Nida Fazli, Qateel Shifai, Bahadur Shah Zafar, Ibne Insha which delighted the audience at the State Museum in the city on Saturday.

It was part of a concert 'Sham-e-Mausiqi,' organised by Madhya Pradesh Urdu Akademi.

Mungi presented Nida Fazli's 'Apna Gham leke kahin aur na jaya Jaye....,'



Qatil Shifai's 'Meri Nazar se na ho dur....,' Hasrat Mohani's 'Chupke-chupke raat -din aansu bahana yaad hai....,' Bahadur Shah Zafar's 'Baat karni mujhe mushkil kabhi aisi to na thi....,' Nasir Kazmi's 'Dil mein ek lehar si uthi hai abhi....,' and Ibn Insha 'Kal chauthavi ki raat thi shab bhar raha charcha tira...'

which earned huge round of applause from the audience.

Mungi is a disciple of music guru Padma Shri Jitendra Abhishek. He has performed in various concerts across the world like UK, USA, Canada, the Caribbean, The Netherlands, France, Switzerland, Kenya, United Arab Emi-

rates (UAE), Kuwait, Nepal, Bangladesh, Singapore, Australia, etc. He has also shared the stage with great personalities including Ustad Bismillah Khan, Pandit Jasraj, Sonal Mansingh, Ustad Ghulam Ali, Anup Jalota and Anuradha Paudwal.

Besides, Qawwal Salim Jhankar from Gwalior presented Sufiyana Qawwalis which mesmerised the audience. They included 'Mann kunto ali maula...' and 'Bekhud kiye dete hain andaaz-e-hijabana...'. He has participated in the World Qawwali Festival, organised by the Iranian Embassy in Delhi. He has performed Qawwali in all major cities of the country. Sameena Ali conducted the event.



## धर्म समाज/सिटी लाइव/आसपास

## सुनील की खूबसूरत गजल और सलीम की सूफियाना कव्वाली से फिजा में घुली मौसीकी

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शाम-ए-मौसीकी कार्यक्रम का आयोजन मध्य प्रदेश जनजातीय संग्रहालय के सभागार में किया गया, जिसमें प्रख्यात गजल गायक सुनील मुंगी एवं कव्वाल सलीम झनकार ने प्रस्तुति दी। जनजातीय संग्रहालय के प्राकृतिक वातावरण में दोनों फनकारों की सुरीली आवाज ने फिजा में मौसीकी घोल दी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में संचालक संस्कृति अदिति कुमार त्रिपाठी ने कलाकारों का स्वागत किया। इसके बाद उर्दू अकादमी की निदेशक डा. नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के बारे में बताया। उद्बोधन के पश्चात



सभागार में गजल गायक सुनील मुंगी ने गजलों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं की मंत्रमुग्ध कर दिया। ● सौजन्य- उर्दू अकादमी अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गजल और सहर अंगेज आवाज में गजलों पर मजबूर किया। वाद्य यंत्रों पर गायक सुनील मुंगी ने अपनी मधुर की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को झूमने संगत भी गजब की थी।

## चुपके-चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है...

सुनील ने प्रस्तुति की शुरुआत निदा फाजली की गजल अपना गम लेके कहीं और न जाया जाए ... से की। इसके बाद कतील शिफाई की मेरी नजर से न हो, दूर ... हसरत मोहानी की चुपके-चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है... बहादुर शाह जफर की बात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी... जैसे कलाम सुनाए। ज्ञात हो कि जितेंद्र अभिषेकी के शिष्य हैं। आप शायरी की समझ, मीठी आवाज और गजल की खूबसूरत अदायगी के लिए मशहूर हैं। आपने संगीत की दुनिया की महान हस्तियों के साथ मंच साझा

किया है, जिनमें उस्ताद बिस्मिल्ला खां, पंडित जसराज, सोनल मानसिंह, उस्ताद गुलाम अली, अनूप जलोटा और अनुराधा पोंडवाल जैसे नाम हैं। आप गायन के साथ-साथ संगीत की शिक्षा भी देते हैं। वहीं ग्वालियर से पधारे कव्वाल सलीम झनकार ने सूफियाना कव्वाली पेश कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने मन कुंतो अली मौला... बेखुद किए देते हैं अंदाज-ए-हिजाबाना... आदि कव्वालियों से समां बांधा। कार्यक्रम का संचालन समीना अली द्वारा किया गया। सलीम रिवायती कव्वाली गाते हैं।

## मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शाम ए मौसीकी में प्रख्यात ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी एवं ख्यातिलब्ध क़व्वाल सलीम झनकार ने प्रस्तुत की ग़ज़लें और क़व्वालियां

भोपाल 11 फरवरी (प्रेस नोट)। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा शाम ए मौसीकी कार्यक्रम दिनांक : 11 फरवरी 2023 को शाम 6:30 बजे से जनजातीय संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में संचालक संस्कृति अदिति कुमार त्रिपाठी ने कलाकारों का स्वागत अकादमी की पुष्पगुच्छ से किया। स्वागत पश्चात डॉ नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि हमारा देश विभिन्न संस्कृतियों में निहित विविधताओं के लिए जाना जाता है। यहां गीत-संगीत, नृत्य, नाटक-कला, लोक परंपराओं, कला प्रदर्शनों एवं लेखन के क्षेत्रों में एक बहुत अनंत संभावनाएं मौजूद हैं। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत है। इसका संरक्षण भी जरूरी है। संस्कृति विभाग मध्य प्रदेश शासन एवं उर्दू अकादमी का हमेशा यह प्रयास रहता है कि इस तरह के कार्यक्रमों को बढ़ावा दे। इसी सिलसिले के तहत आज शाम ए मौसीकी कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसमें प्रख्यात ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी एवं ख्यातिलब्ध क़व्वाल सलीम झनकार ग़ज़लों



और क़व्वालियों की प्रस्तुति दे रहे हैं। डॉ. नुसरत मेहदी के उद्घोष के पश्चात अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी ने अपनी मधुर और सहर अंगेज आवाज में ग़ज़लों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर किया। ज्ञात हो कि अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी महान संगीत गुरु पद्मश्री जितेन्द्र अभिषेकी के शिष्य हैं। आप 1990 से दुनिया के अलग-अलग देशों में लगातार प्रस्तुतियां दे रहे हैं, जिनमें यू. एस. ए., कनाडा, केरेंबियन, युनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड,

फ्रांस, स्विटजरलैंड, कोनिया, युनाइटेड अरब अमीरात, कुवैत, नेपाल, बांग्लादेश, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया आदि नाम शामिल हैं। सुनील मुंगी को ग़ज़ल गायन में महारत हासिल है। आप शायरी की समझ, मीठी आवाज और ग़ज़ल की खूबसूरत अदायगी के लिए मशहूर हैं। आपने संगीत की दुनिया की महान हस्तियों के साथ मंच साझा किया है, जिनमें उस्ताद बिस्मिल्ला ख़ां, पंडित जसराज, सोनल मानसिंह, उस्ताद गुलाम अली, अनूप जलोटा और अनुराधा पोद्दवाल जैसे नाम हैं। आप गायन के साथ-साथ संगीत की शिक्षा भी देते हैं। उन्होंने जो ग़ज़लें

प्रस्तुत कीं वो इस प्रकार हैं।

निदा फ़ाज़ली  
अपना ग़म लेके कहीं और न जाया जाए  
कतील शिफाई  
मेरी नज़र से न हो दूर  
हसरत मोहानी  
चुपके चुपके रात दिन ऑसू बहाना याद है  
बहादुर शाह ज़फ़र  
बात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी  
नासिर काज़मी  
दिल में इक लहर सी उठी है अभी  
इब्ने इशा

कल चौदहवीं की रात थी शब भर रहा चर्चा तिरा वहीं ग्वालियर से पधारे ख्यातिलब्ध क़व्वाल सलीम झनकार सुफियाना क़व्वालियां पेश कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। ज्ञात हो कि सलीम झनकार देश के मशहूर क़व्वालों में से एक हैं जो रिवायती क़व्वाली गाते हैं। आपका संबंध मध्यप्रदेश के ग्वालियर से है। आपने विश्व क़व्वाली समारोह में शिरकत की है जिसे ईरान एम्बेसी ने दिल्ली में आयोजित किया था। सलीम झनकार देश के सभी बड़े शहरों में क़व्वाली की प्रस्तुति दे चुके हैं। जिसमें दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, बंगलुरु, नागपुर, हैदराबाद, इन्दौर, अजमेर, भोपाल जैसे नाम शामिल हैं। आप दूरदर्शन /आकाशवाणी पर 1990 से लगातार प्रस्तुतियां देते आ रहे हैं। उन्होंने ने जो कलाम पेश किया वो इस प्रकार है।

मन कुंतो अली मौला  
बेखुद किए देते हैं अंदाज़ ए हिजाबाना  
कार्यक्रम का सफल संचालन समीना अली द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नुसरत मेहदी ने सभी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

ہیں۔ بہت سے لوگ راستے میں آفت ہو یا کوڑا-19 کا لاک ڈاؤن۔

معاذ اللہ کیا اور جل گلی یا تازا میں حصہ لیا۔

صاحب شریک رہے۔ مہمان خصوصی نے

کوششوں کا تذکرہ بھی کیا۔ اسی طرح

خورشید عالم صاحب نے یونانی ڈے کی

## ”مدھیہ پردیش اردو اکادمی کے زیر اہتمام شام موسیقی پروگرام میں بین الاقوامی شہرت یافتہ غزل گلوکار سنیل موگی اور مشہور قوال سلیم جھنکار نے پیش کیں غزلیں اور قوالیاں“

اس پروگرام میں انھوں نے اپنی سمور کن آواز میں جو کام پیش کیے وہ درج ذیل ہیں۔  
اپنا نم لے کے کہیں اور نہ جایا جائے  
چپ کے چپ کے رات دن آنسو بہانا یاد ہے  
حسرت موہانی  
بات کرنی مجھے مشکل کبھی ایسی تو نہ تھی  
بہادر شاہ ظفر  
دل میں اک لہریں اٹھی ہے ابھی  
ناصر کاظمی  
کلی چوہویں کی رات تھی شب بھر باجہ چارترا  
ابن انشا  
وہ ہیں گوالیار سے تشریف لائے  
مشہور قوال سلیم جھنکار نے اپنی سحر انگیز آواز میں قوالیاں پیش کرسماضین کو وجد آفریں کر دیا۔ واضح رہے کہ سلیم جھنکار ملک کے مشہور قوالوں میں ایک ہیں جو روایتی قوالی گاتے ہیں۔ آپ کا تعلق



فرانس، سویٹزر لینڈ، کینیا، یو۔اے۔ای، کویت، نیپال، بنگلہ دیش، سنگاپور، آسٹریلیا وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ سنیل موگی کو غزل گلوکاری میں مہارت حاصل ہے۔ آپ شاعری کی سمجھ، شیریں لہجے اور غزل کی خوبصورت اداسگی کے لیے مشہور

ہے۔ محکمہ ثقافت، حکومت مدھیہ پردیش اور مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ہمیشہ یہ کوشش رہتی ہے کہ اس طرح کے پروگراموں کو بڑھاوا دے۔ اسی سلسلے کے تحت آج شام موسیقی پروگرام کا انعقاد کیا گیا ہے جس میں بین الاقوامی شہرت یافتہ غزل گلوکار سنیل موگی اور مشہور قوال سلیم جھنکار غزلیں اور قوالیاں پیش کر رہے ہیں۔ ڈاکٹر نصرت مہدی نے خطاب کے بعد مشہور غزل گلوکار سنیل موگی نے اپنی مدح آواز اور شیریں لہجے میں اردو کے عظیم شعرا کا کلام پیش کر خوب واہ واہی لوٹی۔ واضح رہے کہ سنیل موگی موسیقی کے معروف استاد پدم شری ایشیٹی کے شاگرد ہیں۔ آپ 1990 سے دنیا کے مختلف ممالک میں لگا سارا اپنی پیشکش دے رہے ہیں، جن میں یو اے ایس، کینیڈا، کیریبین، یو کے، نیدر لینڈ،

بھوپال 12 فروری (پریس ریلیز) مدھیہ پردیش اردو اکادمی محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام ”شام موسیقی“ کا انعقاد 11 فروری 2023 کو شام 306 بجے ٹرائیبل شیلڈ ہلس، بھوپال میں کیا گیا۔ پروگرام کی شروعات میں ڈائریکٹر مسکرتی ادینی کمار تپاخچی اور مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے فنکاروں کا استقبال کیا۔ استقبال کے بعد ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے اغراض و مقاصد پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ جیسا کہ آپ بھی جانتے ہیں کہ ہمارا ملک مختلف ثقافتوں میں مضر مختلف رنگوں کے لیے جانا ہے۔ یہاں نئے، موسیقی، رقص، ڈرامہ، فن اور ادب کے میدانوں میں بہت سارے امکانات موجود ہیں۔ یہ ہماری ثقافتی وراثت ہے۔ اس کی حفاظت کرنا بھی ضروری

# مدھیہ پردیش اردو اکادمی کے زیر اہتمام شام موسیقی پروگرام بین الاقوامی شہرت یافتہ غزل گلوکار سنیل موگی اور مشہور قوال سلیم جھنکار نے پیش کیں غزلیں اور قوالیاں



اپنا نم لے کے کہیں اور نہ جایا جائے  
نہ افاقہ ملی  
چپ کے چپ کے رات دن آنسو بہانا یاد ہے  
حسرت موہانی  
بات کرنی مجھے مشکل کبھی ایسی تو نہ تھی  
بہادر شاہ ظفر  
دل میں اک لہری اٹھی ہے ابھی  
ناصر کاظمی  
کل چودھویں کی رات تھی شب بھر ہاجر چا ترا  
ابن انشا

وہیں گوالیار سے تشریف لائے مشہور قوال سلیم جھنکار نے اپنی سحر انگیز آواز میں قوالیاں پیش کر سائیں کو وہ جد آفریں کر دیا۔ واضح رہے کہ سلیم جھنکار ملک کے مشہور قوالوں میں ایک ہیں جو روایتی قوالی گاتے ہیں۔ آپ کا تعلق مدھیہ پردیش کے گوالیار شہر سے ہے۔ آپ نے عالمی قوالی تقریب میں شرکت کی ہے جسے ایران ائمہ کی نے دلی میں منعقد کیا تھا۔ سلیم جھنکار ملک کے تقریباً سبھی بڑے شہروں میں قوالی کی پیشکش دے چکے ہیں، جن میں دلی ممبئی، پٹنہ، بنگلور، ناگپور، حیدرآباد، اندور، اجمیر، بھوپال وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ آپ دور درشن آکا شوانی پر ۲۰۰۹ء سے لگا تار قوالی کی پیشکش دیتے آ رہے ہیں۔ انھوں نے جو کام پیش کیے وہ درج ذیل ہیں۔

من کت مولیٰ فصحا علی مولیٰ  
بنجو دیکے دیتے ہیں انداز حجابانہ  
پروگرام کی لطافت کے فرائض شمیم علی نے بحسن خوبی انجام دیے۔  
پروگرام کے آخر ڈاکٹر نصرت مہدی نے تمام شرکا کا شکریہ ادا کیا۔

بھوپال: مدھیہ پردیش اردو اکادمی، محلہ ثقافت کے زیر اہتمام "شام موسیقی" کا انعقاد 11 فروری 2023 کو شام 30:6 بجے ٹرائبل شیلڈ پلس، بھوپال میں کیا گیا۔ پروگرام کی شروعات میں ڈائریکٹر سنسکرتی ادیتی کمار ترپاٹھی اور مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے فنکاروں کا استقبال کیا۔ استقبال کے بعد ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے اغراض و مقاصد پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ جیسا کہ آپ سبھی جانتے ہیں کہ ہمارا ملک مختلف ثقافتوں میں مضر مختلف رنگوں کے لیے جانا ہے۔ یہاں نغمے، موسیقی، رقص، ڈرامہ، فن اور ادب کے میدانوں میں بہت سارے امکانات موجود ہیں۔ یہ ہماری ثقافتی وراثت ہے۔ اس کی حفاظت کرنا بھی ضروری ہے۔ محلہ ثقافت، حکومت مدھیہ پردیش اور مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ہمیشہ یہ کوشش رہتی ہے کہ اس طرح کے پروگراموں کو بڑھاوا دے۔ اسی سلسلے کے تحت آج شام موسیقی پروگرام کا انعقاد کیا گیا ہے جس میں بین الاقوامی شہرت یافتہ غزل گلوکار سنیل موگی اور مشہور قوال سلیم جھنکار غزلیں اور قوالیاں پیش کر رہے ہیں۔ ڈاکٹر مہدی کے خطاب کے بعد مشہور غزل گلوکار سنیل موگی نے اپنی مدھر آواز اور شیریں لہجے میں اردو کے عظیم شاعر اکا کلام پیش کر خوب واہ واہی لوٹی۔ واضح رہے کہ سنیل موگی موسیقی کے معروف استاد پدم شری ایشیکینی کے شاگرد ہیں۔ آپ ۲۰۰۹ء سے دنیا کے مختلف ممالک میں لگا تار اپنی پیشکش دے رہے ہیں، جن میں یو ایس اے، کینیڈا، کیریبین، یو کے، نیدر لینڈ، فرانس، سویٹزر لینڈ، کینیڈا، یو۔ اے۔ ای، کویت، نیپال، بنگلہ دیش، سنگاپور، آسٹریلیا وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ سنیل موگی کو غزل گلوکاری میں مہارت حاصل ہے۔ آپ شاعری کی سمجھ، شیریں لہجے اور غزل کی خوبصورت ادائیگی کے لیے مشہور ہیں۔ آپ نے موسیقی کی دنیا کی عظیم ہیتوں کے ساتھ سٹیج شیئر کیا ہے، جن میں استاد بسم اللہ خاں، پنڈت جسرانج، سؤل مان سنگھ، استاد غلام علی، انوپ جلاونا اور انورا دھا پوڑھوال جیسے نام شامل ہیں۔ آپ گلوکاری کے ساتھ ساتھ موسیقی کی تعلیم بھی دیتے ہیں۔ اس پروگرام میں انھوں نے اپنی مسکون آواز میں جو کام پیش کیے وہ درج ذیل ہیں۔

## ایم پی اردو اکیڈمی کی محفل موسیقی کا انعقاد

# غزل سنگر سنیل موگی اور قوال سلیم جھنکار نے اپنے فن کا جادو دکھیرا

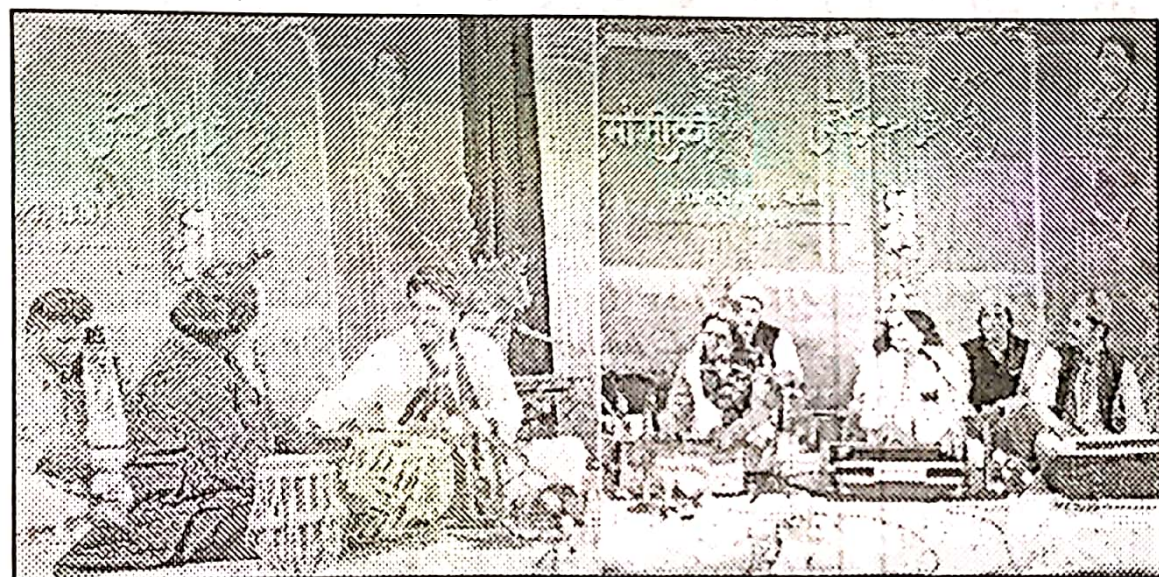
بھوپال، 11 فروری (پریس ریلیز) مدھیہ پردیش اردو اکادمی، محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام "شام موسیقی" کا انعقاد 11 فروری 2023 کو شام 6:30 بجے لائٹنل حیلہ ہلس، بھوپال میں کیا گیا۔ پروگرام کی شروعات میں ڈائریکٹر سکرٹی ادیتی کمار تپاشی اور مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے فنکاروں کا استقبال کیا۔ استقبال کے بعد ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے اغراض و مقاصد پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ جیسا کہ آپ سبھی جانتے ہیں کہ ہمارا ملک مختلف ثقافتوں میں مضمحل مختلف رنگوں کے لیے جانا ہے۔ یہاں لٹری، موسیقی، رقص، ڈرامہ، فن اور ادب کے میدانوں میں بہت سارے امکانات موجود ہیں۔ یہ ہماری ثقافتی وراثت ہے۔ اس کی حفاظت کرنا بھی ضروری ہے۔ محکمہ ثقافت، حکومت مدھیہ پردیش اور مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ہمیشہ یہ کوشش رہتی ہے کہ اس طرح کے پروگراموں کو بڑھاوا دے۔ اسی سلسلے کے تحت آج شام موسیقی پروگرام کا انعقاد کیا گیا ہے جس میں بین الاقوامی شہرت یافتہ غزل گوکار سنیل موگی اور مشہور قوال سلیم جھنکار غزلیں اور قوالیاں پیش کر رہے ہیں۔ ڈاکٹر مہدی کے خطاب کے بعد مشہور غزل گوکار سنیل موگی نے اپنی مدھر آواز اور شیریں لہجے میں اردو کے عظیم شعرا کا کلام پیش کر خوب واہ واہی لوٹی۔ واضح رہے کہ سنیل موگی موسیقی کے

معروف استاد پدم شری اکیڈمی کے شاگرد ہیں۔ آپ 1990 سے دنیا کے مختلف ممالک میں لگا تار اپنی پیشکش دے رہے ہیں، جن میں یو ایس اے، کینیڈا، کیریبین، یو کے، نینڈر لینڈ، فرانس، سویٹزر لینڈ، کینیڈا، یو ایس اے، کویت، بحال، بنگلہ دیش، سنگاپور، آسٹریلیا وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ سنیل موگی کو غزل گوکاری میں مہارت حاصل ہے۔ آپ شاعری کی سمجھ، شیریں لہجے اور غزل کی خوبصورت ادائیگی کے لیے مشہور ہیں۔ آپ نے موسیقی کی دنیا کی عظیم مستیوں کے ساتھ ساتھ شہیر کیا ہے، جن میں استاد مہم اللہ خاں، پڈت جمران، سول مان سنگھ، استاد غلام علی، انوپ جلوبا اور انورا دھا پوزموال جیسے نام شامل ہیں۔ آپ گوکاری کے ساتھ ساتھ موسیقی کی تعلیم بھی دیتے ہیں۔ اس پروگرام میں انہوں نے اپنی سحر کن

آواز میں جو کلام پیش کیے وہ درج ذیل ہیں۔ اپنا خم لے کے کہیں اور نہ جایا جائے عناق ضلعی چپ کے چپ کے رات دن آنسو بہانا یاد ہے حسرت موہانی بات کرنی مجھے مشکل کبھی ایسی تو نہ تھی بہادر شاہ ظفر دل میں اک لہری اٹھی ہے ابھی ناصر کاظمی کل چھوڑیں کی رات تھی شب بھر راجہ چاترا دہا گویا سے تشریف لائے مشہور قوال سلیم جھنکار نے اپنی سحر انگیز آواز میں قوالیاں پیش کر سامعین کو وجد آفریں کر دیا۔ واضح رہے کہ سلیم جھنکار ملک کے مشہور قوالوں میں ایک ہیں جو روایتی قوالی گاتے ہیں۔ آپ

کا تعلق مدھیہ پردیش کے گویا شہر سے ہے۔ آپ نے مائے قوالی تقریب میں شرکت کی ہے جسے ایران اکیڈمی نے دلی میں منعقد کیا تھا۔ سلیم جھنکار ملک کے تقریباً سبھی بڑے شہروں میں قوالی کی پیشکش دے چکے ہیں، جن میں دلی، ممبئی، چنئی، بنگلور، ناگپور، حیدرآباد، اندور، اجیر، بھوپال وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ آپ دور درشن آکاشوائی پر 1990ء سے لگا تار قوالی کی پیشکش دیتے آ رہے ہیں۔ انہوں نے جو کلام پیش کیے وہ درج ذیل ہیں:

من کنت مولیٰ لغدا علی مولیٰ بے خود کیے دیجئے ہیں انداز جہانہ پروگرام کی حفاظت کے فرائض شہینہ علی نے بحسن خوبی انجام دیے۔ پروگرام کے آخر ڈاکٹر نصرت مہدی نے تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔



# शाम-ए-मौसीकी का आयोजन

भोपाल @ पत्रिका. जनजातीय संग्रहालय में शनिवार को उर्दू अकादमी द्वारा शाम-ए-मौसीकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात गजल गायक सुनील मुंगी एवं नामी कव्वाल सलीम झनकार गजलों और कव्वालियों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर संस्कृति संचालक अदिति कुमार त्रिपाठी एवं उर्दू अकादमी की संचालक डॉ नुसरत मेहदी विशेष रूप से उपस्थित थी। मेहदी ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि गीत-संगीत, नृत्य, नाटक-कला, लोक परंपराओं, कला प्रदर्शनों एवं लेखन के क्षेत्रों में एक बहुत अनंत संभावनाएं मौजूद हैं।

---



# "مدھیہ پردیش اردو اکادمی کے زیر اہتمام شام موسیقی پروگرام آج ٹرائبل میوزیم میں"



الحیات نیوز سروس  
بھوپال: مدھیہ  
پردیش اردو اکادمی  
ہجرتہ ثقافت کے زیر  
اہتمام "شام موسیقی" کا  
انعقاد 11  
فروری، 2023 کو  
شام 6:30 بجے سے  
ٹرائبل میوزیم، شیا ملہ  
پلس، بھوپال میں کیا

وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ سنیل موہنجی کو  
غزل گلوکاری میں مہارت حاصل ہے۔  
آپ شاعری کی سمجھ، شیریں لہجے اور غزل  
کی خوبصورت ادائیگی کے لیے مشہور ہیں۔  
آپ نے موسیقی کی دنیا کی عظیم ہستیتوں کے  
ساتھ ایچ ٹی وی شہر کیا ہے، جن میں استاد بسم اللہ  
خال، پنڈت جسراج، سوئل مان سنگھ، استاد  
غلام علی، انوپ جلوٹا اور انورا دھا پوڑھووال  
جیسے نام شامل ہیں۔ آپ گلوکاری کے ساتھ  
ساتھ موسیقی کی تعلیم بھی دیتے ہیں۔ اور سلیم  
جھنکار ملک کے مشہور قوالوں میں ایک  
ہیں جو روایتی قوالی گاتے ہیں۔ آپ کا تعلق  
مدھیہ پردیش کے گوالیار شہر سے ہے۔  
آپ نے عالمی قوالی تقریب میں شرکت کی  
ہے جسے ایران اتھینس نے دلی میں منعقد  
کیا تھا۔ سلیم جھنکار ملک کے تقریباً سبھی  
بڑے شہروں میں قوالی کی پیشکش دے  
چکے ہیں، جن میں دلی ممبئی، چنئی، بنگلور،  
ناگپور، حیدرآباد، اندور، اجمیر، بھوپال  
وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ آپ دور  
درشن آکاشوائی پر ۱۹۹۰ء سے لگاتار  
قوالی کی پیشکش دیتے آرہے ہیں۔ اس  
پروگرام کی نظامت کے فرائض شینہ علی  
انجام دیں گی۔ ڈاکٹر نصرت مہدی نے  
مہمان ادب سے پروگرام میں شرکت  
کی درخواست کی ہے۔

جائے گا۔ مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی  
ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے  
پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے  
کہا کہ جیسا کہ آپ بھی جانتے ہیں کہ  
مدھیہ پردیش اردو اکادمی اور ہجرتہ  
ثقافت ادب میں فنون لطیفہ کی اہمیت  
کو محسوس کرتے ہوئے مسلسل ایسے  
پروگرام کرتے آئے ہیں جس سے  
ریاست اور ملک کے فنکاروں کو ایچ  
ملتا رہے اور انھیں اپنی صلاحیتیں  
دکھانے کا موقع ملتا رہے۔ اسی سلسلے  
کے تحت سنچر کی شام ٹرائبل میوزیم میں  
شام موسیقی پروگرام کا انعقاد کیا جا رہا ہے  
جس میں بین الاقوامی شہرت یافتہ غزل  
گلوکار سنیل موہنجی (یو ایس اے) اور  
مشہور قوال سلیم جھنکار (گوالیار) اردو  
کے غزلیں اور قوالیاں پیش کریں  
گے۔ واضح رہے کہ بین الاقوامی شہرت  
یافتہ غزل گلوکار سنیل موہنجی موسیقی کے  
معروف استاد پدم شری اتھینس کے  
شاگرد ہیں۔ آپ ۱۹۹۰ء سے دنیا کے  
مختلف ممالک میں لگاتار اپنی پیشکش  
دے رہے ہیں، جن میں یو ایس اے،  
کینیڈا، کیریبین، یو کے، نیدر لینڈ،  
فرانس، سوئٹزر لینڈ، کینیا، یو۔ اے۔ ای،  
کویت، نیپال، بنگلہ دیش، سنگاپور، آسٹریلیا

भोपाल, शनिवार, 11 फरवरी 2023

## ग़ज़लों और क़व्वालियों से सजेगी शाम

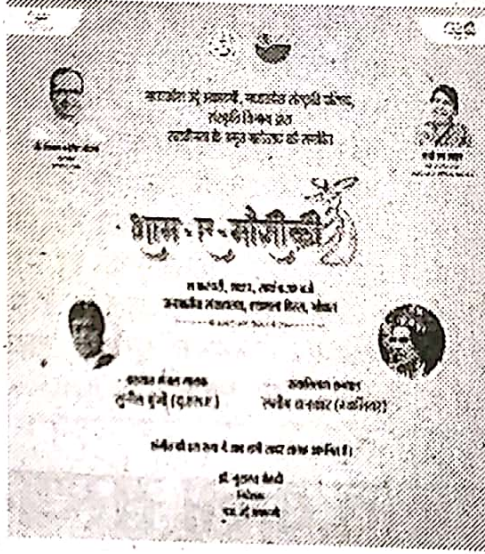
भोपाल @ पत्रिका. मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी शनिवार को 'शाम ए मौसीकी' कार्यक्रम का आयोजन करेगी। कार्यक्रम शाम 6:30 बजे से जनजातीय संग्रहालय में आयोजित किया जाएगा। इसमें ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी और क़व्वाल सलीम इनकार ग़ज़लों एवं क़व्वालियों की प्रस्तुति देंगे।



संक्षिप्त समाचार

मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शाम ए मौसीकी  
आज शाम जनजातीय संग्रहालय, भोपाल में

भोपाल 10 फरवरी (प्रेस नोट)। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी और संस्कृति विभाग साहित्य में ललित कलाओं के महत्व को महसूस करते हुए लगातार ऐसे कार्यक्रम करते आए हैं जिससे प्रदेश एवं देश के विभिन्न कलाकारों को मंच मिलता रहे और उन्हें अपनी योग्यता दिखाने का अवसर मिलता रहे। शाम ए मौसीकी उसी सिलसिले की एक



महत्वपूर्ण कड़ी है। इस बार यह कार्यक्रम 11 फरवरी 2023 को जनजातीय संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित है जिसमें में प्रख्यात गुजल गायक सुनील मुंगी (यू एस ए), सलीम झंकार (गवालियर) गुजलों एवं कव्वालियों की प्रस्तुति देंगे। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गुजल गायक सुनील मुंगी महान संगीत गुरु पद्मश्री जितेन्द्र अभिषेकी के शिष्य हैं। आप 1990 से दुनिया के अलग-अलग देशों में लगातार प्रस्तुतियाँ दे रहे हैं, जिनमें यू. एस. ए., कनाडा, केरेबियन, युनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड, फ्रांस, स्विटजरलैंड, कोनिया, युनाइटेड अरब अमीरात, कुवैत, नेपाल, बांग्लादेश, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया आदि नाम शामिल हैं। सुनील मुंगी को गुजल गायन में महारत हासिल है। आप शायरी की समझ, मीठी आवाज और गुजल की खूबसूरत अदायगी के लिए मशहूर हैं। आपने संगीत की दुनिया की महान हस्तियों के साथ मंच साझा किया है, जिनमें उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ, पंडित जसराज, सोनल मानसिंह, उस्ताद गुलाम अली, अनूप जलोटा और अनुराधा पोढ़वाल जैसे नाम हैं। आप गायन के साथ-साथ संगीत की शिक्षा भी देते हैं। एवं सलीम झंकार देश के मशहूर कव्वालियों में से एक हैं जो रिवायती कव्वाली गाते हैं। आपका संबंध मध्यप्रदेश के गवालियर से है। आपने विश्व कव्वाली समारोह में शिरकत की है जिसे ईरान एम्बेसी ने दिल्ली में आयोजित किया था। सलीम झंकार देश के सभी बड़े शहरों में कव्वाली की प्रस्तुति दे चुके हैं। जिसमें दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, बंगलुरु, नागपुर, हैदराबाद, इन्दौर, अजमेर, भोपाल जैसे नाम शामिल हैं। आप दूरदर्शन/आकाशवाणी पर 1990 से लगातार प्रस्तुतियाँ देते आ रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन समीना अली द्वारा किया जाएगा। डॉ. नुसरत मेहदी ने सभी कला प्रेमियों से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।

روزنامہ ندیم بھوپال

سنچر 11 فروری 2023

# اُردو اکیڈمی کی محفل غزل و قوالی آج شام

قوال سلیم جھنکار اور غزل سنگر سنیل موگی دیں گے پیشکش

بھوپال، 10 فروری (رپورٹر) غزل اور قوالی کے شائقین کے لیے مدھیہ پردیش اُردو اکیڈمی برائے محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام بروز سنچر گیارہ فروری کو شام ساڑھے چوبیس بجے سے اسٹیٹ میوزیم شیلڈ ہلس بھوپال میں باوقار محفل موسیقی کا انعقاد کیا گیا ہے جس میں یو ایس اے کے معروف غزل سنگر سنیل موگی موسیقی پر غزل سراہونگے جبکہ مدھیہ پردیش کے گوالیار کے مشہور قوال سلیم جھنکار اپنے فن قوالی کا جادو بکھیریں گے۔ اس پروگرام کی نظامت ممتاز اینکر محترمہ شمینہ علی انجام دیں گی۔ اُردو اکیڈمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے سبھی محبان ادب سے شرکت کی درخواست کی ہے۔

## दैनिक जागरण

भोपाल, 11 फरवरी 2023

[www.djamp.in/epaper](http://www.djamp.in/epaper)

### जनजातीय संग्रहालय में शाम ए मौसीकी आज

जागरण सिटी रिपोर्टर। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शाम ए मौसीकी का आयोजन 11 फरवरी को शाम 6.30 बजे से जनजातीय संग्रहालय में किया जा रहा है। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने बताया कि आयोजन में प्रख्यात गजल गायक सुनील मुंगी (यू एस ए), सलीम इनकार (ग्वालियर) गजलों एवं क़व्वालियों की प्रस्तुति देंगे। सुनील मुंगी महान संगीत गुरु पद्मश्री जितेन्द्र अभिषेकी के शिष्य हैं। सलीम इनकार देश के मशहूर क़व्वालों में से एक हैं जो रिवायती क़व्वाली गाते हैं।

# स्वदेश

www.Swadesh.in

भोपाल, शनिवार 11 फरवरी, 2023

## जनजातीय संग्रहालय में संगीत संध्या आज

भोपाल। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा "शाम ए मौसीकी" कार्यक्रम का आयोजन शनिवार 11 फरवरी को शाम 6:30 बजे से जनजातीय संग्रहालय में किया जा रहा है। कार्यक्रम में गज़लों और कव्वालियों की प्रस्तुति दी जायेगी। अकादमी की निदेशक डॉ नुसरत मेहदी ने बताया कि उर्दू अकादमी द्वारा साहित्य में ललित कलाओं को महत्व देते हुए ऐसे आयोजन किये जाते रहे हैं। जिससे प्रदेश एवं देश के विभिन्न कलाकारों को मंच मिलता रहे और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता रहे। शाम ए मौसीकी उसी सिलसिले की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। कार्यक्रम प्रख्यात गज़ल गायक सुनील मुंगी (यू एस ए) तथा सलीम झनकार (ग्वालियर) गज़लों एवं कव्वालियों की प्रस्तुति देंगे। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गज़ल गायक सुनील मुंगी महान संगीत गुरु पद्मश्री जितेन्द्र अभिषेकी के शिष्य हैं। आप 1990 से दुनिया के अलग-अलग देशों में लगातार प्रस्तुतियां दे रहे हैं, जिनमें यू. एस. ए., कनाडा, केरेबियन, युनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड, फ्रांस, स्विटजरलैंड, कीनिया, युनाइटेड अरब अमीरात, कुवैत, नेपाल, बांगलादेश, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया आदि नाम शामिल हैं। सुनील मुंगी को गज़ल गायन में महारत हासिल है।

# नवदुनिया

भोपाल, शनिवार 11 फरवरी, 2023

## शाम-ए-मौसीकी आज जनजातीय संग्रहालय में

भोपाल( नप्र )। उर्दू अकादमी द्वारा शाम-ए-मौसीकी कार्यक्रम शनिवार शाम 6:30 बजे से जनजातीय संग्रहालय में आयोजित किया जाएगा। प्रख्यात गजल गायक सुनील मुंगी (यूएसए) और सलीम इनकार (ग्वालियर) गजलों एवं कव्वालियों की प्रस्तुति देंगे।

भोपाल, शनिवार, 11 फरवरी 2023 . 22

## मप्र उर्दू अकादमी

### जनजातीय संग्रहालय में शाम-ए-मौसीकी आज

सिटी रिपोर्टर | मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत जनजातीय संग्रहालय में शनिवार को शाम-ए-मौसीकी का आयोजन किया जाएगा। शाम 6.30 बजे से आयोजित शाम-ए-मौसीकी में यूएसए से प्रसिद्ध गजल गायक सुनील मुंशी और ग्वालियर से कव्वाल सलीम झंकार शामिल होंगे। गौरतलब है कि सुनील मुंशी पद्मश्री जितेन्द्र अभिषेकी के शिष्य हैं और 1990 से दुनिया के अलग-अलग देशों में गजलों की महफिलों में प्रस्तुति देते आ रहे हैं। वहीं, सलीम झंकार एक रिवायती कव्वाल हैं। वे ईरान एम्बेसी की ओर से आयोजित विश्व कव्वाली समारोह का भी हिस्सा बन चुके हैं।

राज एक्सप्रेस

महानगर

शनिवार, 11 फरवरी, 2023

[www.rajexpress.co](http://www.rajexpress.co)

## शाम ए मौसिकी कार्यक्रम आज होगा

भोपाल। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी संस्कृति परिषद संस्कृति विभाग द्वारा शाम ए मौसिकी कार्यक्रम शनिवार को शाम 6.30 बजे से जनजातीय संग्रहालय में आयोजित किया जाएगा। मप्र उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेंहदी ने बताया कि प्रदेश एवं देश के विभिन्न कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने की कड़ी में एक प्रयास है शाम ए मौसिकी। कार्यक्रम में यूएसए के प्रख्यात गजल गायक सुनील मुंगी और ग्वालियर के सलीम झनकार गजलों और कव्वालियों की प्रस्तुति देंगे।

# مدھیہ پردیش اردو اکادمی کے زیر اہتمام شام موسیقی پروگرام 11 فروری کو ٹرائبل میوزیم میں

مدھیہ پردیش اردو اکادمی، محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام "شام موسیقی" کا انعقاد 11 فروری 2023

کو شام 6:30 بجے سے ٹرائبل میوزیم، شیاملہ ہلس، بھوپال میں کیا جائے گا۔

جن میں استاد بسم اللہ خاں، پنڈت جراج، سونل مان سنگھ، استاد غلام علی، انوپ جلونا اور انورا دھاپوڑھوال جیسے نام شامل ہیں۔ آپ گلوکاری کے ساتھ ساتھ موسیقی کی تعلیم بھی دیتے ہیں۔ اور سلیم جھنکار ملک کے مشہور قوالوں میں ایک ہیں جو روایتی قوالی گاتے ہیں۔ آپ کا تعلق مدھیہ پردیش کے گوالیار شہر سے ہے۔ آپ نے عالمی قوالی تقریب میں شرکت کی ہے جسے ایران ایسٹیمی نے دلی میں منعقد کیا تھا۔ سلیم جھنکار ملک کے تقریباً سبھی بڑے شہروں میں قوالی کی پیشکش دے چکے ہیں، جن میں دلی ممبئی، چنئی، بنگلور، ناگپور، حیدرآباد، اندور، اجمیر، بھوپال وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ آپ دور درشن آ کا شوانی پر 1990ء سے لگا تار قوالی کی پیشکش دیتے آرہے ہیں۔ اس پروگرام کی نظامت کے فرائض شمینہ علی انجام دیں گی۔ ڈاکٹر نصرت مہدی نے مہمان ادب سے پروگرام میں شرکت کی درخواست کی ہے۔

سنیل موگی کو غزل گلوکاری میں مہارت حاصل ہے۔ آپ شاعری کی سمجھ، شیریں لہجے اور غزل کی خوبصورت ادائیگی کے لیے مشہور ہیں۔ آپ نے موسیقی کی دنیا کی عظیم ہستیوں کے ساتھ اسٹیج شیئر کیا ہے،

اپنی پیشکش دے رہے ہیں، جن میں یو ایس اے، کینیڈا، کیریبین، یو کے، نیدر لینڈ، فرانس، سویٹزر لینڈ، کینیا، یو۔اے۔ای، کویت، نیپال، بنگلہ دیش، سنگاپور، آسٹریلیا وغیرہ کے نام شامل ہیں۔

بھوپال 9 فروری (پریس ریلیز) مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا کہ جیسا کہ آپ سبھی جانتے ہیں کہ مدھیہ پردیش اردو اکادمی اور محکمہ ثقافت ادب میں فنون لطیفہ کی اہمیت کو محسوس کرتے ہوئے مسلسل ایسے پروگرام کرتے آئے ہیں جس سے ریاست اور ملک کے فنکاروں کو اسٹیج ملتا رہے اور انھیں اپنی صلاحیتیں دکھانے کا موقع ملتا رہے۔ اسی سلسلے کے تحت سنچری کی شام ٹرائبل میوزیم میں شام موسیقی پروگرام کا انعقاد کیا جا رہا ہے جس میں بین الاقوامی شہرت یافتہ غزل گلوکار سنیل موگی (یو ایس اے) اور مشہور قوال سلیم جھنکار (گوالیار) اردو کے غزلیں اور قوالیاں پیش کریں گے۔ واضح رہے کہ بین الاقوامی شہرت یافتہ غزل گلوکار سنیل موگی موسیقی کے معروف استاد پدم شری ایشیک کی کے شاگرد ہیں۔ آپ 199 سے دنیا کے مختلف ممالک میں لگا تار



## ایم پی اردو اکیڈمی کا شام موسیقی پروگرام کل اسٹیٹ میوزیم میں

گلوکار سنیل موگی نغزل اور قوال سلیم جھنکار قوالی پیش کریں گے

یو۔ اے۔ ای، کویت، نیپال، بنگلہ دیش، سنگاپور، آسٹریلیا وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ سنیل موگی کو نغزل گلوکاری میں مہارت حاصل ہے۔ آپ شاعری کی سمجھ، شیریں لہجے اور نغزل کی خوبصورت ادائیگی کے لیے مشہور ہیں۔ آپ نے موسیقی کی دنیا کی عظیم ہستیاں کے ساتھ اسٹیج شیئر کیا ہے، جن میں استاد بسم اللہ خاں، پنڈت حمران، سولہ بان سنگھ، استاد قلام علی، انوپ جلوٹا اور انورا دھاپوڑھوال جیسے نام شامل ہیں۔ آپ گلوکاری کے ساتھ ساتھ موسیقی کی تعلیم بھی دیتے ہیں اور سلیم جھنکار ملک کے مشہور قوالوں میں ایک ہیں جو روایتی قوالی گاتے ہیں۔ آپ کا تعلق مدھیہ پردیش کے گوالیار شہر سے ہے۔ آپ نے عالمی قوالی تقریب میں شرکت کی ہے جسے ایران اکیڈمی نے دلی میں منعقد کیا تھا۔ سلیم جھنکار ملک کے تقریباً سبھی بڑے شہروں میں قوالی کی پیشکش دے چکے ہیں، جن میں دلی ممبئی، چنئی، بنگلور، ناگپور، حیدرآباد، اندور، اجیر، بھوپال وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ آپ دور درشن آکاشوائی پر ۱۹۹۰ء سے لگا تار قوالی کی پیشکش دیتے آ رہے ہیں۔ اس پروگرام کی نکالت کے فرائض شمیم علی انجام دیں گی۔ ڈاکٹر نصرت مہدی نے مہمان ادب سے پروگرام میں شرکت کی درخواست کی ہے۔

بھوپال، 9 فروری (پریس نوٹ) مدھیہ پردیش اردو اکادمی، محکمہ ثقافت کے زیر اہتمام "شام موسیقی" کا انعقاد 11 فروری کو شام 6:30 بجے سے ٹرائل میوزیم، شیلڈ ہلس، بھوپال میں کیا جائے گا۔ مدھیہ پردیش اردو اکادمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا کہ جیسا کہ آپ سبھی جانتے ہیں کہ مدھیہ پردیش اردو اکادمی اور محکمہ ثقافت ادب میں فنون لطیفہ کی اہمیت کو محسوس کرتے ہوئے مسلسل ایسے پروگرام کرتے آئے ہیں جس سے ریاست اور ملک کے فنکاروں کو اسٹیج ملتا رہے اور انہیں اپنی صلاحیتیں دکھانے کا موقع ملتا رہے۔ اسی سلسلے کے تحت سنچری کی شام ٹرائل میوزیم میں شام موسیقی پروگرام کا انعقاد کیا جا رہا ہے جس میں بین الاقوامی شہرت یافتہ نغزل گلوکار سنیل موگی (یو ایس اے) اور مشہور قوال سلیم جھنکار (گوالیار) اردو کے نغزلیں اور قوالیاں پیش کریں گے۔ واضح رہے کہ بین الاقوامی شہرت یافتہ نغزل گلوکار سنیل موگی موسیقی کے معروف استاد پدم شری اکیڈمی کے شاگرد ہیں۔ آپ ۱۹۹۰ء سے دنیا کے مختلف ممالک میں لگا تار اپنی پیشکش دے رہے ہیں، جن میں یو ایس اے، کینیڈا، کیریبین، یو کے، نیدرلینڈ، فرانس، سویٹزرلینڈ، کینیڈا،

# मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शाम ए मौसीकी आज शाम जनजातीय संग्रहालय, भोपाल में

भोपाल 10 फरवरी (प्रेस नोट)। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी और संस्कृति विभाग साहित्य में ललित कलाओं के महत्व को महसूस करते हुए लगातार ऐसे कार्यक्रम करते आए हैं जिससे प्रदेश एवं देश के विभिन्न कलाकारों को मंच मिलता रहे और उन्हें अपनी योग्यता दिखाने का अवसर मिलता रहे। शाम ए मौसीकी उसी सिलसिले की एक



महत्वपूर्ण कड़ी है। इस बार यह कार्यक्रम 11 फरवरी 2023 को जनजातीय संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित है जिसमें प्रख्यात ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी (यू एस ए), सलीम झनकार (ग्वालियर) ग़ज़लों एवं क़व्वालियों की प्रस्तुति देंगे। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी महान संगीत गुरु पद्मश्री जितेन्द्र अभिषेकी के शिष्य हैं। आप 1990 से दुनिया के अलग-अलग देशों में लगातार प्रस्तुतियाँ दे रहे हैं, जिनमें यू. एस. ए., कनाडा, केरेबियन, युनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड, फ्रांस, स्विटजरलैंड, कीनिया, युनाइटेड अरब अमीरात, कुवैत, नेपाल, बांग्लादेश, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया आदि नाम शामिल हैं। सुनील मुंगी को ग़ज़ल गायन में महारत हासिल है। आप शायरी की समझ, मीठी आवाज और ग़ज़ल की खूबसूरत अदायगी के लिए मशहूर हैं। आपने संगीत की दुनिया की महान हस्तियों के साथ मंच साझा किया है, जिनमें उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ, पंडित जसराज, सोनल मानसिंह, उस्ताद गुलाम अली, अनूप जलोटा और अनुराधा पोढ़वाल जैसे नाम हैं। आप गायन के साथ-साथ संगीत की शिक्षा भी देते हैं। एवं सलीम झनकार देश के मशहूर क़व्वालों में से एक हैं जो रिवायती क़व्वाली गाते हैं। आपका संबंध मध्यप्रदेश के ग्वालियर से है। आपने विश्व क़व्वाली समारोह में शिरकत की है जिसे ईरान एम्बेसी ने दिल्ली में आयोजित किया था। सलीम झंकार देश के सभी बड़े शहरों में क़व्वाली की प्रस्तुति दे चुके हैं। जिसमें दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, बंगलुरु, नागपुर, हैदराबाद, इन्दौर, अजमेर, भोपाल जैसे नाम शामिल हैं। आप दूरदर्शन /आकाशवाणी पर 1990 से लगातार प्रस्तुतियाँ देते आ रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन समीना अली द्वारा किया जाएगा। डॉ. नुसरत मेहदी ने सभी कला प्रेमियों से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।













मौसीकी

शाम موسیقی

11 फरवरी 2023, भोपाल

सुश्री उपा ठाकुर  
मंत्री, मन्व्यपदेश शासन  
संस्कृति, पर्यटन, कॉमिक न्याय एवं पत्रस्य विभाग





11 फरवरी 2023, भोपाल

सुश्री उषा ठाकुर  
मंत्री, मध्य प्रदेश शासन  
संस्कृति, पर्यटन, पारंपरिक न्याय एवं पशु सेवा विभाग



















